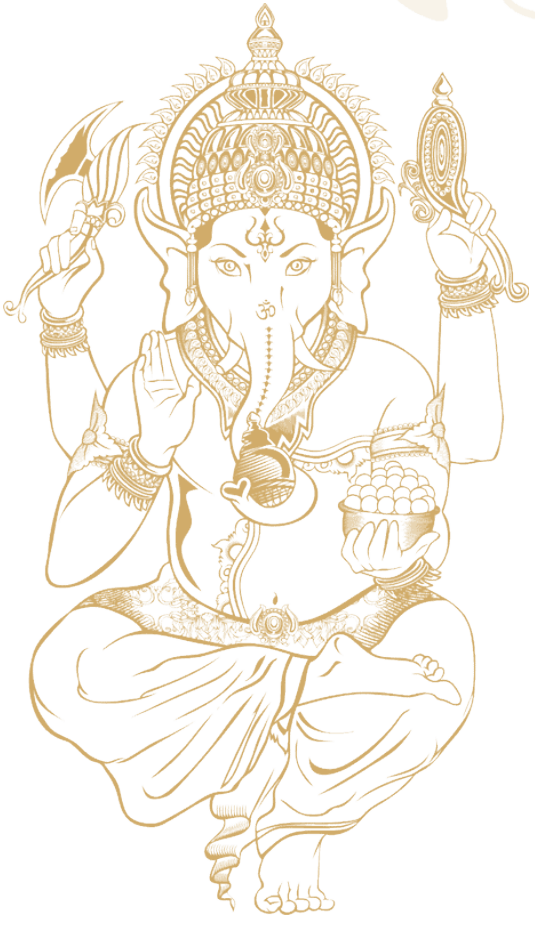

OM CHAURASIYA

19 Sep 2022

11:21 PM

Agra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121838106

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/09/2022**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**23:21:00 घंटे**
इष्ट	43:09:43 घटी
स्थान	**Agra**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:09:00 उत्तर
रेखांश	78:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:03:00 घंटे
वेलान्तर	00:06:07 घंटे
साम्पातिक काल	22:57:28 घंटे
सूर्योदय	06:05:06 घंटे
सूर्यास्त	18:18:07 घंटे
दिनमान	12:13:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	02:36:07 कन्या
लग्न के अंश	03:15:15 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वरियान
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केवल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	03:15:15	334:48:18	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	02:36:07	00:58:36	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	सम राशि
चंद्र			मिथु	22:33:25	11:51:30	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
मंगल			वृष	21:31:34	00:25:54	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
बुध	व	अ	कन्या	09:48:12	00:59:01	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
गुरु	व		मीन	10:27:56	00:07:54	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	स्वराशि
शुक्र			सिंह	23:53:51	01:14:36	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मक	25:19:04	00:03:05	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	स्वराशि
राहु	व		मेष	20:27:31	00:03:17	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	20:27:31	00:03:17	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
हर्ष	व		मेष	24:28:16	00:01:15	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप	व		कुंभ	29:46:46	00:01:39	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	---
प्लूटो	व		मक	02:01:53	00:00:32	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			कुंभ	18:51:50	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:16

लग्न-चलित

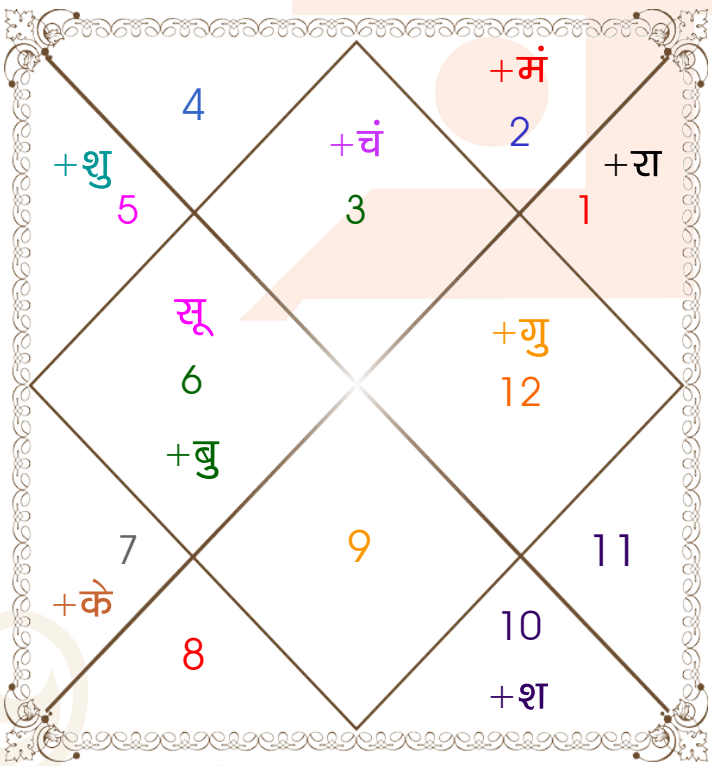

चन्द्र कुंडली

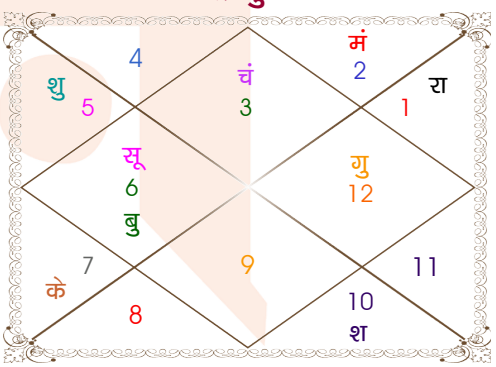

नवमांश कुंडली

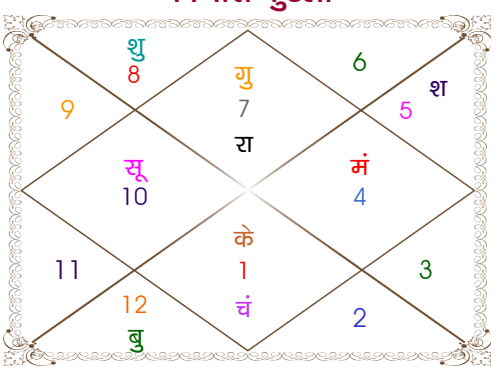

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 11 मास 5 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
19/09/2022		26/08/2035		26/08/2054		26/08/2071		26/08/2078	
26/08/2035		26/08/2054		26/08/2071		26/08/2078		26/08/2098	
	19/09/2022	शनि	29/08/2038	बुध	21/01/2057	केतु	22/01/2072	शुक्र	25/12/2081
शनि	25/04/2024	बुध	08/05/2041	केतु	18/01/2058	शुक्र	23/03/2073	सूर्य	25/12/2082
बुध	01/08/2026	केतु	17/06/2042	शुक्र	18/11/2060	सूर्य	29/07/2073	चंद्र	25/08/2084
केतु	08/07/2027	शुक्र	16/08/2045	सूर्य	25/09/2061	चंद्र	27/02/2074	मंगल	25/10/2085
शुक्र	08/03/2030	सूर्य	29/07/2046	चंद्र	24/02/2063	मंगल	26/07/2074	राहु	25/10/2088
सूर्य	25/12/2030	चंद्र	27/02/2048	मंगल	21/02/2064	राहु	14/08/2075	गुरु	26/06/2091
चंद्र	25/04/2032	मंगल	07/04/2049	राहु	10/09/2066	गुरु	20/07/2076	शनि	26/08/2094
मंगल	01/04/2033	राहु	12/02/2052	गुरु	16/12/2068	शनि	28/08/2077	बुध	25/06/2097
राहु	26/08/2035	गुरु	26/08/2054	शनि	26/08/2071	बुध	26/08/2078	केतु	26/08/2098

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
26/08/2098		26/08/2104		27/08/2114		26/08/2121		27/08/2139	
26/08/2104		27/08/2114		26/08/2121		27/08/2139		00/00/0000	
सूर्य	13/12/2098	चंद्र	26/06/2105	मंगल	23/01/2115	राहु	08/05/2124	गुरु	14/10/2141
चंद्र	14/06/2099	मंगल	25/01/2106	राहु	10/02/2116	गुरु	02/10/2126	शनि	20/09/2142
मंगल	20/10/2099	राहु	27/07/2107	गुरु	16/01/2117	शनि	08/08/2129		00/00/0000
राहु	13/09/2100	गुरु	25/11/2108	शनि	25/02/2118	बुध	25/02/2132		00/00/0000
गुरु	03/07/2101	शनि	27/06/2110	बुध	22/02/2119	केतु	15/03/2133		00/00/0000
शनि	15/06/2102	बुध	26/11/2111	केतु	21/07/2119	शुक्र	15/03/2136		00/00/0000
बुध	21/04/2103	केतु	26/06/2112	शुक्र	19/09/2120	सूर्य	06/02/2137		00/00/0000
केतु	27/08/2103	शुक्र	25/02/2114	सूर्य	25/01/2121	चंद्र	08/08/2138		00/00/0000
शुक्र	26/08/2104	सूर्य	27/08/2114	चंद्र	26/08/2121	मंगल	27/08/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 11 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।